

SUMMARU TRIAL UNDER SECTION 263 THE CRIMINAL PROCEDURE CODE 1998
IN THE COURT OF A.K. Gupta, JMFC Gohad Dist Bhind (M.P.)

Case No. 294/17

Complaint or report made on

Name and address of the Complainant

शा. पु. गौह

V/o

Name, parentage, caste and address of accused

① रामविहारी S/o रामबल्लु पाराशर 42 वर्ष R/O
बंश बाजार बिन्दुडी गैर गौह

The offence, complainant of, and date of, its alleged commission

आप पर आरोप है कि दिनांक 28.10.17 मुकाम
पुडारी कचहरी पर बिना वैध अनुज्ञप्ति के अपने
आधिपत्य में 32 लीटर/पाव/बोतल देशी शराब विक्रय/परिवहन हेतु रखी।

ऐसा करके आपने आबकारी अधि 1915 की धारा 34-1 (क) के अधीन दण्डनीय
अपराध कारिल किया।

क्या आपको उक्त अपराध स्वीकार है या प्रतिरक्षा चाहते हो।

The plea of the accused and his examination (if any)

अपराध स्वीकार है। न्यून दण्ड से दण्डित करने का निवेदन है।

रामविहारी

रामविहारी

// निर्णय //

1. District
FIR No. 1
Original C
2. S. No.

(आज दिनांक 14-11-17 को घोषित)

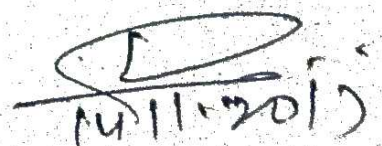
01. अभियुक्त के विरुद्ध आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के अधीन दण्डनीय अपराध का अभियोग है। संक्षिप्त विचारणीय होने से समरी सीट पर अपराध विवरण पढ़कर सुनाये एवं समझाये जाने पर अभियुक्त ने स्वेच्छापूर्वक जुर्म/अपराध स्वीकार करना व्यक्त किया।

02. संक्षिप्त विचारण किया गया। अतः अभियुक्त की स्वेच्छापूर्वक स्वीकारोक्ति के आधार पर आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के तहत आरोपी को दोषी ठहराया जाता है। उसकी पूर्व दोषसिद्धि के संबंध में अभिलेख पर कोई तथ्य मौजूद नहीं है।

03. अभियुक्त को आबकारी अधि० 1915 की धारा 34-1 (क) के तहत न्यायाल उठने तक की अवधि तक की सजा एवं रुपये 1000/- शब्दों में एक हजार रु रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है। अर्थदण्ड न पटाये जाने पर 57 का साधारण कारावास की सजा भुगतायी जावे।

04. जप्तशुदा सम्पत्ति 32 लीटर/पीव/बोतल देसी शराब मूल्यहीन एवं मानव उपयोग हेतु हानिकारक होने के कारण अपील अवधि पश्चात् नियमानुसार

हानिकारक होने के कारण अपील अवधि पश्चात् नियमानुसार अपील न्यायालय के आदेश का


14/11/2017